

>

Title: Regarding inconvenience being faced by the passengers due to problems of Air India and private airlines in the country.

**श्री निशिकान्त दुबे (गोड्डा):** महोदय, एयर इंडिया में 14 दिन से जो स्ट्राइक चल रही है और इसके बारे में गवर्नमेंट कोई एक्शन नहीं ले रही है, सरकार अहंकार में ग्रसित है। हम वेद-पुराण में देखते हैं कि रावण का अहंकार नहीं चला, हनुमान जी का अहंकार नहीं चला, कर्ण का अहंकार नहीं चला, सरकार के मंत्री जी ने 15 तारीख को जवाब दिया कि हम एयर इंडिया के सारे पायलट्स से बातचीत करेंगे और स्ट्राइक को खत्म करने का प्रयास करेंगे। 14 दिन हो गए हैं, लगभग 300 करोड़ रूपए से ज्यादा का नुकसान हो गया है। इसमें दोष केवल पायलट्स का नहीं है। मैं मानता हूँ कि पायलट्स ने स्ट्राइक की, उन्होंने गलत किया, उन्हें सरकार से बात करनी चाहिए थी, लेकिन किन परिस्थितियों में उन्हें स्ट्राइक करनी पड़ी, इसके बारे में महोदय मैं आपके माध्यम से इस सदन को जानकारी देना चाहता हूँ। वया ऐसा कारण था कि वर्ष 2004-05 में केवल 350 करोड़ की इतिवटी के आधार पर 50 हजार करोड़ रूपए की खरीददारी हो गयी। हमारे यहां कहां जाता है कि उतना ही पांच फैलाइए, जितनी आपके पास चादर हो, तो किस आधार पर आपने खरीद लिया? उसके बाद उन दोनों का, एयर इंडिया और इंडियन एयरलाइंस के इंटीग्रेशन के लिए एचआर की जो पॉलिसी होनी चाहिए था, वह एचआर की पॉलिसी नहीं बनी। अभी धर्माधिकारी कमेटी की रिपोर्ट आ गयी है, पांच महीने हो चुके हैं, लेकिन सरकार सोई हुयी है। इसके अलावा बहुत ही इंपोर्टेंट है कि चौदह दिन से यह स्ट्राइक चल रही है और एयर इंडिया, इंडियन एयरलाइंस स्ट्राइक के बारे में मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि सिविल एविएशन अथॉरिटी जो बनने वाली है उसके बारे में, धर्माधिकारी रिपोर्ट जो बनने वाली है उसके बारे में, पायलट्स जो भूखे-प्यासे पिछले चार-पांच महीने से बिना वेतन के काम कर रहे थे, उनके बारे में जो एयर इंडिया का टर्न एगंड प्लान है, जो एमआरओ सैक्शन है, जो रीस्ट्रक्चरिंग प्लान है और सरकार जो बार-बार गोबर में घी डालने का काम करती है, कभी 800 करोड़ दे देती है, कभी 1200 करोड़ दे देती है, फिर 1200 करोड़ दे देती है और अब यह 30 हजार करोड़ रूपया जो हमारी आपकी पॉकेट से जा रहा है, उसकी जो बर्बादी होती है। मैं आपके माध्यम से सरकार को यह बताना चाहता हूँ कि आप भूल मत कीजिये, आप अहंकार मत कीजिये, आप पायलट्स को बुलाइये, इस स्ट्राइक को खत्म कराइये और इस देश को बचाइये।

MR. CHAIRMAN:

Shri M.B. Rajesh,

Shri Shivarama Gouda,

Shri Anand Prakash Paranjpe,

Shri Shivkumar Udasi,

Dr. Kirit Premjibhai Solanki,

Shri Devji M. Patel,

Shrimati Bhavana Gawali are allowed to be associated with the matter raised by Shri Nishikant Dubey.